BA राजनीतिक सिद्धांत

1st year

Political Theory (Major Subject)

अब होगी BA के साथ UPSC व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओ की तैयारी

BA के नियमित एवं प्राइवेट छात्रो हेतु उपयोगी कक्षाए

LODHAJI CLASSES

Class - 05

Based on New Education Policy

क्या राजनीति विज्ञानं, विज्ञान है ?

राजनीति विज्ञान की प्रकृति

Nature of Political science

Free Compelet BA on Youtube With Notes

By Lodhaji sir

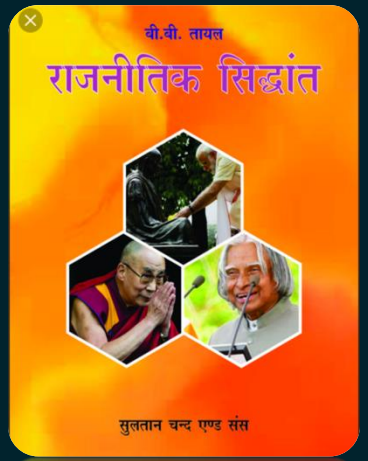

बी.बी. तायल
राजनीतिक सिद्धांत
सुलतान चन्द एण्ड संस

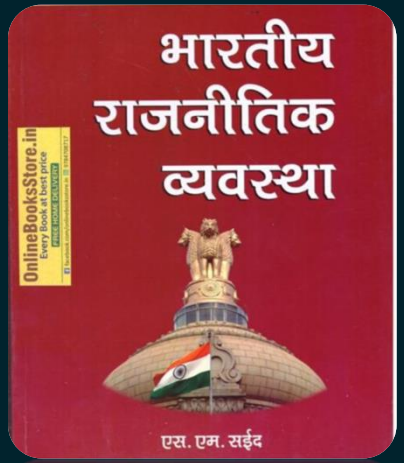

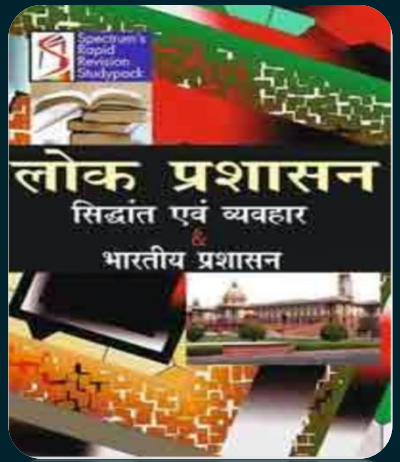

भारतीय राजनीतिक व्यवस्था
OnlineBooksStore.in
Every Book at best price
एस. एम. सईद

Spectrum's Rapid Revision Studypack
लोक प्रशासन
सिद्धांत एवं व्यवहार
&
भारतीय प्रशासन

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन

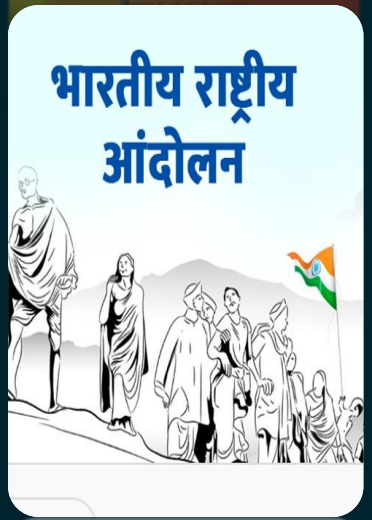

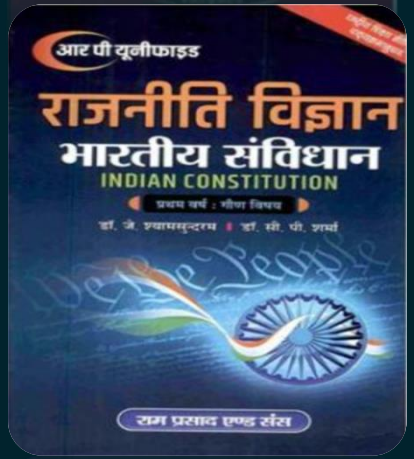

आर पी यूनीफाइड
राजनीति विज्ञान
भारतीय संविधान
INDIAN CONSTITUTION
प्रथम वर्ष : गौण विषय
डॉ. जे. श्यामसुन्दरम । डॉ. सी. पी. शर्मा
राम प्रसाद एण्ड संस

प्रज्ञान हिंदी

प्रतियोगी परीक्षाओ की तैयारी करने के लिए नए YouTube चैनल “प्रज्ञान हिंदी” को Join करे

UPSC, PSC, Railway, SI, Banking, SSC, POLICE

Unit - 1 (राजनीतिक सिद्धांत का बोध)

1. राजनीति सिद्धांत - अर्थ एवं महत्व !
2. राजनीति के अध्ययन के दृष्टिकोण।
3. राजनीति विज्ञान से जुड़े शब्द : **राजनीति विज्ञान**, राजनीतिक दर्शन, राजनीतिक सिद्धांत, राजनीतिक विचार एवं राजनीति।
4. विचारधाराओं का परिचय।

Free Online Classes on Youtube - Complete B.A. with Notes By LODHAJI SIR

BA On Youtube

1. व्याख्या
2. राजनीति विज्ञान, विज्ञान नहीं है
3. राजनीति विज्ञान, विज्ञान है
4. राजनीति विज्ञान कला भी है
5. निष्कर्ष

1. व्याख्या

- अन्य सामाजिक विज्ञानों की तरह राजनीति विज्ञान में भी इसकी प्रकृति को लेकर वाद-विवाद और मत भिन्नता रही है। जहां अरस्तु इसे सर्वोच्च और पूर्ण विज्ञान मानते हैं, वही बर्कले और मेटलैंड इसे विज्ञान ही मानने को तैयार नहीं है।
- राजनीति विज्ञान के विज्ञान होने या ना होने के किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले हमें दोनों पक्षों के तर्कों को जाना होगा।

Free Online Classes on Youtube - Complete B.A. with Notes By LODHAJI SIR

2. राजनीति विज्ञान, विज्ञान नहीं है

- जो विचारक राजनीति विज्ञान को विज्ञान मानने से इनकार करते हैं, वे अपने समर्थन में निम्न तर्क देते हैं -

1) सर्वमान्य तत्वों का अभाव

2) सुनिश्चित अध्ययन पद्धति का अभाव

3) कार्य व कारण के बीच निश्चित संबंध का अभाव

4) शुद्ध माप संभव नहीं

5) भविष्यवाणी का अभाव

Free Online Classes on Youtube - Complete B.A. with Notes By LODHAJI SIR

2. राजनीति विज्ञान, विज्ञान नहीं है

1) सर्वमान्य तत्वों का अभाव

- प्राकृतिक विज्ञानो में कार्य व कारण के बीच पाए जाने वाले निश्चित संबंध के आधार पर सर्वमान्य सिद्धांतों और नियमों की स्थापना की जाती है।

- **उदाहरण** - दो और दो चार होते हैं। अथवा गुरुत्वाकर्षण का नियम जिसके अनुसार कोई चीज फेंकने पर नीचे की ओर आती है। लेकिन राजनीति विज्ञान में इस प्रकार के सर्वमान्य सिद्धांत या नियमों का अभाव है।

2) सुनिश्चित अध्ययन पद्धति का अभाव

- राजनीति विज्ञान में अध्ययन की कोई सुनिश्चित पद्धति नहीं है। प्राकृतिक या भौतिक विज्ञानो की तरह राजनीति विज्ञान में प्रयोग या परीक्षण संभव नहीं है।

Free Online Classes on Youtube - Complete B.A. with Notes By LODHAJI SIR

2. राजनीति विज्ञान, विज्ञान नहीं है

3) कार्य व कारण के बीच निश्चित संबंध का अभाव

- प्राकृतिक विज्ञान में कार्य व कारण के बीच उचित और निश्चित संबंध स्थापित किया जा सकता है।

✓ उदाहरण - पानी को गर्म करने पर भाप बनने लगती है। लेकिन राजनीति विज्ञान में कार्य-कारण संबंध का अभाव रहता है।

4) शुद्ध माप संभव नहीं

- प्राकृतिक विज्ञानो में किसी वस्तु की लंबाई, चौड़ाई, गति, दबाव आदि को शुद्ध रूप से मापा जा सकता है, परंतु राजनीति विज्ञान में शुद्ध माफ संभव नहीं है। मनुष्य के क्रियाकलाप, भावना, आवेग, उत्तेजना, अभिलाषा व क्रोध आदि को मापना संभव नहीं है।

Free Online Classes on Youtube - Complete B.A. with Notes By LODHAJI SIR

2. राजनीति विज्ञान, विज्ञान नहीं है

5) भविष्यवाणी का अभाव

- प्राकृतिक विज्ञानो में प्रमाणिक भविष्यवाणी करना संभव है।
- उदाहरण - चंद्र ग्रहण अथवा सूर्य ग्रहण कब होगा और विश्व के किन किन भागों में दिखाई देगा , इस संबंध में सही भविष्यवाणी की जा सकती है। लेकिन राजनीति विज्ञान में ऐसी भविष्यवाणी करना संभव नहीं है।

Free Online Classes on Youtube - Complete B.A. with Notes By LODHAJI SIR

3. राजनीति विज्ञान, विज्ञान है

- कई विद्वान ऐसे भी हैं जिनका मानना है कि राजनीति विज्ञान विज्ञान है। ***अरस्तु, बोंदा, होब्स,मांटैस्क्यू, फाइनर व लास्की*** आदि अनेक विद्वान राजनीति विज्ञान को विज्ञान मानते हैं। उनके मतानुसार में -

1) परीक्षण और पर्यवेक्षण संभव

2) व्यवस्थित और क्रमबद्ध ज्ञान

3) सर्वमान्य तथ्य

4) कार्य और कारण में पारस्परिक संबंध

5) भविष्यवाणी की क्षमता

Free Online Classes on Youtube - Complete B.A. with Notes By LODHAJI SIR

3. राजनीति विज्ञान, विज्ञान है

1) परीक्षण और पर्यवेक्षण संभव

- राजनीति विज्ञान में परीक्षण और पर्यवेक्षण भी संभव है। हालांकि इस विषय के अंतर्गत इनका रूप पदार्थ विज्ञानों से अलग होता है।
- पर्यवेक्षण की पद्धति के आधार पर लोकतंत्र और दूसरी शासन पतियों का अध्ययन करते हुए हम यह सामान्य परिणाम निकाल सकते हैं कि, दूसरी शासन पद्धतियों की अपेक्षा लोकतंत्र लोकहित के प्रति अधिक सजग रहता है।

2) व्यवस्थित और क्रमबद्ध ज्ञान

- विज्ञान का यह लक्षण राजनीति विज्ञान में उपलब्ध है। राजनीति विज्ञान भी राज्य, सरकार, राजनीतिक संस्थाओं, धारणाओं और विचारों का क्रमबद्ध ज्ञान प्रस्तुत करता है।

Free Online Classes on Youtube - Complete B.A. with Notes By LODHAJI SIR

3. राजनीति विज्ञान, विज्ञान है

3) सर्वमान्य तथ्य

- राजनीति विज्ञान में भी कुछ सर्वमान्य तथ्य हैं, जैसे लोक सेवाओं के सदस्य स्थाई आधार पर नियुक्त किए जाने चाहिए, न्यायपालिका स्वतंत्र एवं निष्पक्ष होनी चाहिए एवं असमानता, जातिवाद, निरक्षरता और अत्यधिक निर्धनता प्रजातंत्र के लिए ठीक नहीं है आदि।

4) कार्य और कारण में पारस्परिक संबंध

- राजनीति विज्ञान में भी कार्य और कारण में पारस्परिक संबंध पाए जाते हैं। हालांकि इसमें कार्य और कारण के संबंधों में इतनी कठोरता नहीं होती, लेकिन फिर भी कई बार परिणाम के कारण साफ दिखाई देने लगता है। जैसे 1977 के चुनाव में इंदिरा गांधी के पतन का कारण उनके द्वारा इमरजेंसी लगाने का परिणाम है।

Free Online Classes on Youtube - Complete B.A. with Notes By LODHAJI SIR

3. राजनीति विज्ञान, विज्ञान है

5) भविष्यवाणी की क्षमता

- राजनीति विज्ञान के आधुनिक स्वरूप में भविष्यवाणी की क्षमता भी विकसित कर ली है। हालांकि भविष्यवाणी की सत्यता हरदम निश्चित नहीं होती, इसलिए भविष्यवाणी काफी कुछ सत्यता के आसपास होती है।

- उदाहरण - जब 1995, 2014 और 2019 में आम चुनावों से पहले शोधकर्ताओं ने Pre-Poll Survey कर के विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों की संभावित संख्या की भविष्यवाणी की और वह लगभग सत्य के करीब थी।

Free Online Classes on Youtube - Complete B.A. with Notes By LODHAJI SIR

4. राजनीति विज्ञान कला भी है

- सभी राजनीतिक वैज्ञानिक राजनीति विज्ञान को एक कला के रूप में भी स्वीकार करते हैं। राजनीति विज्ञान एक विज्ञान की अपेक्षा कला अधिक है। राज्य के संचालन और उसकी क्रियात्मकता के संबंध में इसी के द्वारा नेतृत्व किया जाता है।
- कला वह विधा है जो हमें व्यवहारिक जीवन में सिद्धांतों का प्रयोग करना सिखाती है और जीवन को अधिक से अधिक सुंदर बनाने का रास्ता बताती है। राजनीति विज्ञान कला के रूप में नागरिकों को आदर्श नागरिक बनाने में सहायक है, वह बताती है कि सुखी, स्वस्थ और समृद्ध जीवन की प्राप्ति किस प्रकार संभव है।
- ***गैटिल के शब्दों में*** - राजनीति विज्ञान की कला का प्रयोजन आचरण के उन सिद्धांतों व नियमों का निर्धारण करता है जिनको राजनीतिक समस्याओं की सफलता के लिए ध्यान में रखना आवश्यक है।

Free Online Classes on Youtube - Complete B.A. with Notes By LODHAJI SIR

5. निष्कर्ष

- इस प्रकार हम पाते हैं कि राजनीतिक विज्ञान के अंतर्गत राजनीति का क्रमबद्ध अध्ययन होता है। इसमें परीक्षण, पर्यवेक्षण और भविष्यवाणी करना भी संभव है। अतः इसे विज्ञान की श्रेणी में रखा जा सकता है। लेकिन इसकी अध्ययन सामग्री समाज और उसमें रहने वाला विचारशील, बुद्धियुक्त और भावुक मानव है इसलिए इसे सामाजिक विज्ञान की श्रेणी में रखा जा सकता है।

Free Online Classes on Youtube - Complete B.A. with Notes By LODHAJI SIR

Next Session will be on...

विचारधाराओ का परिचय

Free Online Classes on Youtube - Complete B.A. with Notes By LODHAJI SIR

THANK YOU

New way of Learning….
https://t.me/lodhajiclasses

Telegram

सभी क्लास नोट्स के
pdf download
करने हेतु join करे
Link
LODHAJI CLASSES

प्रज्ञान
हिंदी